K-624

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-505

वेद एवं निरूक्त भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

2nd Semester Examination, 2023 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. उपनिषदों के वर्गीकरण एवं प्रतिपादन शैली पर प्रकाश कीजिए।

अथवा

उपनिषदों के वर्णित पंचकोश की व्याख्या कीजिए।

2. उपनिषद् के अनुसार कर्म एवं पुनर्जन्म के सिद्धान्त को अपने शब्दों में प्रतिपादित कीजिए।

3. वैशेषिक दर्शन एवं सांख्य दर्शन में उपनिषदों के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

4. षड्वेदांगों की आवश्यकता एवं वर्तमान प्रासंकिता पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित 02 मन्त्रों में से किसी एक मन्त्र की सन्दर्भ सहित विस्तृत व्याख्या कीजिए–

विद्यां चाविद्यां च यस्तद्वेदोभयं सह।

अविद्यया मृत्युं तीर्त्वा विद्ययामृतमश्नुते।।

पूषन्नेकर्षे यम सूर्य प्राजा

पत्य व्यूह रश्मीन्समूह।

तेजो यत्ते रूपं कल्याणतमं तत्ते पश्यामि

योऽसावसौ पुरुषः सोऽहमस्मि।।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. उपनिषद् में जीवात्मा और परमात्मा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

2. 'तेन त्यक्तेन भुंजीथा मा गृधः कस्य स्विद्धनम्' के भाव को स्पष्ट कीजिए।

3. उपनिषद् के अनुसार निष्काम एवं सकाम को प्रतिपादित कीजिए।

4. ईशावास्योपनिषद् एवं केनोपनिषद् की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

5. उपनिषदों के अनुसार सम्भूति एवं असम्भूति के भेद को स्पष्ट कीजिए।

6. वेदांगों के अन्तर्गत कल्प शास्त्र के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

7. शिक्षा शास्त्र के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

8. भारतीय दर्शन में सांख्य दर्शन के प्रभाव को वर्णित कीजिए।